एयरोस्पेस पार्ट्स इंडस्ट्री के निर्यात में एक साल में तीन गुना बढ़ोतरी

राज्य में परंपरागत के साथ हाईटेक उद्योगों की भी बढ़ी धमक

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में एकतरफ लेदर, फुटवियर, कालीन, कपड़े, साड़ियां जैसे परंपरागत उत्पादों की धूम विदेशों में हैं, वहीं दूसरी तरफ कुछ नए सेक्टरों की धमक अप्रत्याशित रूप से बढ़ी है। इनमें सबसे ऊपर एयरोस्पेस पार्ट्स इंडस्ट्री है, जिसका निर्यात पिछले एक साल में 3 गुना बढ़ा है। इसी तरह बेस मेटल और सीमेंट उत्पादों के निर्यात में डेढ़ गुना वृद्धि दर्ज की गई है।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) के मुताबिक प्रदेश में कई गैर-पारंपरिक निर्यात श्रेणियों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। यह राज्य के बढ़ते औद्योगिक और उत्पाद विविधीकरण का संकेत है। सबसे उल्लेखनीय वृद्धि एयरोस्पेस निर्यात में हुई है, जहां विमान, अंतरिक्ष यान पुर्जों के क्षेत्र में 321% की वृद्धि दर्ज की गई है। महज एक वर्ष में निर्यात 50 करोड़ से बढ़कर 492 करोड़ हो गया। इससे इंजीनियरिंग सेक्टर और उच्च-तकनीकी उद्यमों में बड़े निवेश के रास्ते खुल गए हैं। अन्य आधार धातुओं, सीमेंट और संबंधित वस्तुओं की श्रेणी में 131% की वृद्धि हुई है, जो राज्य में निर्माण-ग्रेड सामग्री और विशेष धातु उत्पादों की मजबूत मांग का संकेत है।

इंजीनियरिंग सेक्टर और उच्च-तकनीकी उद्यमों में बड़े निवेश के रास्ते खुले

पारंपरिक क्षेत्रों में भी रफ्तार तेज हुई है। रेशम निर्यात में 86% की वृद्धि हुई, जिससे वाराणसी और आजमगढ़ जैसे जिलों में हथकरघा समूहों को लाभ मिला है। शहद और अंडे सहित डेयरी और पशु-आधारित खाद्य क्षेत्र में 55% की वृद्धि हुई, जो कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में बढ़ती मजबूती दिखाता है। सौंदर्य प्रसाधन, तेल और अन्य उत्पादों में निर्यात की तेजी एमएसएमई सेक्टर की प्रगति का सूचक हैं।

यूपी में सबसे तेजी से बढ़ते सेक्टर

सेक्टर	ग्रोथ	निर्यात (24-25)	निर्यात (23-24)
एयरोस्पेस पार्ट	321%	492	50.2
आधार धातु व सीमेंट उत्पाद	131%	17,135	4,609
सिल्क उत्पाद	86%	475	319.6
डेयरी, अंडे, शहद आदि	55%	584	396.4
पशु आहार	33%	1,132	822
अन्य बने-बनाए उत्पाद	31%	4,106	3,050
चावल-गेहूं के उत्पाद	31%	626	470
कास्मेटिक्स, तेल, हर्बल	28%	5,654	4,475

(निर्यात करोड़ रुपये में)

पिछले पांच वर्षों में यूपी से निर्यात

वित्त वर्ष	निर्यात
24-25	1.86 लाख करोड़
23-24	1.70 लाख करोड़
22-23	1.74 लाख करोड़
21-22	1.56 लाख करोड़
20-21	1.21 लाख करोड़